मैं कुछ न बोला और फ़िर रघू से आगे पूछने लगा. "रघू दादा, मोती को भी ऐसे इंसानों से चुदाई करने का आदत है लगता है. इसे किसने सिखाया ऐसा करना? तुमने?"

"अरे नहीं, ये बचपन से सीखा सिखाया है. इसे और उन दो कुत्तों और कुतिया को मैं शहर के पास की एक बाई से खरीद कर लाया हूं. उस बाई का पेशा ही है, साली रंडी है, बहुत सी लड़कियां और लड़के पाल रखे हैं जो चाहे जैसी चुदाई करते हैं ग्राहकों के साथ. बहुत पैसे लेती है वह रंडी पर धंदा खूब चलता है उसका. पशुओं के साथ उन लड़के लड़कियों की चुदाई इस तरह के खेल भी दिखाती है उसके और ज्यादा पैसे लेती है साली. सिखाकर कुत्ते, कुत्तिया, घोड़े आदि बेचती भी है. रसिक लोग जो पशुओं से चुदाई के शौकीन हैं, खरीद कर ले जाते हैं. मांजी ने पैसे दिये थे मुझे इन्हें खरीद लाने को. मोती को बचपन से बस यही सिखाया गया है, बेचारे को मालूम भी नहीं होगा कि घोड़ी क्या होती है. यही हाल उन दो कुत्तों और कुतियों का है" रघू शैतानी से मेरी ओर देख कर मुस्करा रहा था.

मेरा सिर घूम गया. मां इतनी चुदैल होगी मैं सोच भी नहीं सकता था. उसने रघू को इन्सानों के साथ रति के लिये सिखाये जानवर खरीद लाने को कहा था.

मेरे मन की बात भांप कर रघू बोला. "तेरी मां और मेरी मां, साली महा चुदैल रंडियां हैं दोनों. नयी नयी चुदाई का रास्ता खोजती रहती हैं. अब हम दोनों बेटों के साथ तो उनकी मस्त चुदाई होती ही है. देखा कैसे मस्त रहती हैं अपने अपने बेटों से मरवाने से. अब कुछ और नया चाहिये उन्हें. और किसी को हम चारों में शामिल करने को तो वे तैयार नहीं हैं. मेरी मां साली महा चुदैल है. उसी ने यह रास्ता सोचा. बहुत पहले जब मैं छोटा था और उसे कोई चोदने वाला नहीं था तब एक दो बार कुत्ते से चुदवा चुकी है. बहुत मजा आया था उसे. इसीलिये जब एक दिन मालकिन बोली कि मंजू कुछ नया सोच तो उसने मालकिन को भी राजी कर लिया जानवर खरीद लाने को."

मैंने पूछा. "तो अब क्या करती हैं दोनों उन कुत्तों के साथ?" मैं अपने लंड को पकड़कर मुठिया रहा था, मुझसे रहा नहीं जा रहा था.

रघू मेरा हाथ पकड़कर बोला. "देखेगा? चल मेरे साथ, तुझे रास लीला दिखाता हूं. वैसे दोनों मोती पर भी फ़िदा हैं पर डरती हैं उसके लंड से. बस एक दो बार मेरे साथ चूसने की कोशिश कर लेती हैं. हो जायेंगी तैयार जल्दी ही. और फ़िर मोती को चोदने को चूत मिल ही जायेगी, घोड़ी की न सही पर इंसानी घोड़ी की, और ज्यादा मस्त और टाइट. पर उन कुत्तों के साथ तो उनकी मस्त जमती है. तेरी मां तो खास मेहरबान है उनपर. तू चल और देख ले"

मैं अब लंड पैंट से निकाल कर मुठ्ठ मार रहा था. रघू ने मुझे रोकने की कोशिश की पर जब मैं नहीं रुका तो बोला "मुन्ना, तू गरमा गया है, मैं जानता हूं, ये जानवरों से चुदाई की बात ही ऐसी है, मैं तुझे नहीं रोकूंगा झड़ने से पर ऐसे फ़ालतू न बहा अपना वीर्य, चल मेरी ही गांड मार ले. चल एक नये तरीके से मरवाता हूं तुझसे."